

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

संघर्ष से साधना तक : सौ. सई शैलेश कामतेकर और श्री कुलस्वामिनी ज्योतिष संस्था की प्रेरणादायक यात्रा

Sanket Morankar

Published on 18 Feb 2026



ठाणे पश्चिम की निवासी सौ. सई शैलेश कामतेकर आज ज्योतिष शास्त्र की एक समर्पित अभ्यासक और मार्गदर्शक के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी हैं। उनकी संस्था [?] के माध्यम से न केवल जातकों के जीवन से जुड़े प्रश्नों का समाधान किया जाता है, बल्कि पारंपरिक वैदिक ज्योतिष के व्यवस्थित प्रशिक्षण वर्ग भी संचालित किए जाते हैं।

उनकी यह यात्रा किसी तैयार मंच से शुरू नहीं हुई थी। बचपन से ही ज्योतिष और वास्तु के प्रति उनमें एक विशेष जिज्ञासा थी। पाँचवीं कक्षा से ही ग्रहों की स्थिति, साढ़ेसाती, गुरु परिवर्तन जैसे विषय उनके मन में प्रश्न उत्पन्न करते थे। वे जानना चाहती थीं कि ग्रहों का जीवन पर प्रभाव कैसे और क्यों पड़ता है।

जिस पारिवारिक और सामाजिक वातावरण से वे आईं, वहाँ ज्योतिष शिक्षा का कोई विशेष आधार या मार्गदर्शक उपलब्ध नहीं था। परिणामस्वरूप, उन्हें अपने अधिकांश प्रश्नों के उत्तर स्वयं तलाशने पड़े। इस कारण उनके अध्ययन में अंतराल भी आया और कुछ समय के लिए यह यात्रा रुक गई।

विवाह के बाद परिस्थितियाँ बदलीं। उनके ससुराल पक्ष में ज्योतिष और वास्तु का सशक्त ज्ञान था। यहाँ से उनकी रुचि को उचित दिशा मिली। उनके पति का पूर्ण समर्थन भी उन्हें लगातार प्रेरित करता रहा।

हालाँकि, यह मार्ग सरल नहीं था। ज्योतिष शास्त्री की उपाधि प्राप्त करने के दौरान अनेक चुनौतियाँ सामने आईं। एक समय ऐसा भी आया जब उन्होंने परीक्षा न देने का निर्णय ले लिया था। किंतु गुरुजनों की प्रेरणा और आत्मविश्वास ने उन्हें पुनः खड़ा किया। अंततः उन्होंने महाराष्ट्र ज्योतिष परिषद के माध्यम से ज्योतिष शास्त्री की उपाधि प्राप्त की।

इस दौरान उन्होंने मेडिकल एस्ट्रोलॉजी, न्यूमरोलॉजी, वास्तु कंसल्टिंग और कलर थेरेपी जैसे विषयों में प्रमाणपत्र प्राप्त किए।

